भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न सं0: 1071

दिनांक: 29 जुलाई, 2015

**अपने निर्धरित समय-सीमा से पीछे चल रही गेल की परियोजनाएं**

**1071. श्री राजीव शुक्लः**

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय गैस प्राध्किरण लिमिटेड (गेल इंडिया) की परियोजनाएं अपने पूरा होने की निर्धरित समय-सीमा से पीछे चल रही हैं, यदि हां, तो उन सभी परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विलम्बित परियोजनाओं के लिए कोई उत्तरदायित्व निर्धरित किया गया है और हमारे देश का समय, संसाध्न तथा उपयोगिता की हानि के लिए संबंध्ति प्राध्किारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री धर्मेन्‍द्र प्रधान)**

(क) से (ग): जी, हां। गेल की ऐसी तीन परियोजनाएं अर्थात् (i) कोच्‍चि-कुट्टानद-बंगलौर-मंगलौर गैस पाइपलाइन चरण-।। (ii) विजयपुर-कोटा पाइपलाइन उन्‍नयन और चित्‍तौड़गढ़ तक स्‍परलाइन बिछाना और (iii) सूरत-पारादीप पाइपलाइन (ट्रंक लाइन और स्‍परलाइन) हैं जो निर्धारित कार्यक्रम से विलंब से चल रही हैं। विलंब के कारणों में कानूनी विवाद, आरओयू की अनुपलब्‍धता, वन संबंधी मंजूरी, वन्‍य जीव संबंधी अनुमति आदि जैसी सांविधिक मंजूरियां प्राप्‍त करने में विलंब, संविदागत मुद्दे, भूखण्‍ड की जटिलता और एंकरलोड ग्राहकों की अनुपलब्‍धता आदि शामिल हैं।

अनेक एजेंसियों/पणधारकों के शामिल होने के कारण किसी व्‍यक्‍ति विशेष को विलंब के लिए जिम्‍मेदार ठहराना व्‍यवहार्य नहीं है।

\*\*\*